

जेएसडब्ल्यू स्टील का मुनाफा बढ़ा

अदिति दिवेकर
मुंबई, 21 जनवरी



संज्जन जिंदल की अगुआई वाली जेएसडब्ल्यू स्टील का एकीकृत शुद्ध लाभ दिसंबर में समाप्त तिमाही में 4,357 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 63 फीसदी ज्यादा है। मुख्य रूप से भारतीय परिचालन से मजबूत राजस्व के कारण कंपनी का मुनाफा बढ़ा। इस अवधि में कंपनी को शुद्ध बिक्री पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 74 फीसदी की उछाल के साथ 37,462 करोड़ रुपये रही, जिसमें ऑटोमोटिव, सोलर व अप्लांयंस क्षेत्र में देसी बिक्री में इजाफे का असर रहा। कंपनी का कुल निर्यात तिमाही के दौरान थोड़ा घटकर बिक्री का 15 फीसदी रहा, जो दूसरी तिमाही में 30 फीसदी रहा था।

ब्लूमबर्ग के अनुमान में कंपनी का राजस्व 36,529 करोड़ रुपये और मुनाफा 4,689 करोड़ रुपये रहने की भविष्यवाणी की गई थी। मुंबई की स्टील उत्पादक का तिमाही एबिटा 9,132 करोड़ रुपये रहा और एबिटा मार्जिन 24 फीसदी रहा। इसके अलावा 1,745 करोड़ रुपये के कर खर्च ने कंपनी को आय पर चोट की, जिससे शुद्ध लाभ कम हुआ।

जेएसडब्ल्यू स्टील की वित्ति में कहा गया है कि कंपनी का एकीकृत शुद्ध कर्ज/इक्विटी (बीपीसीएल के एकीकरण के बाद) तिमाही के अंत में 1.02 गुना रहा, जबकि वित्त वर्ष 2022 की दूसरी तिमाही के अंत में यह 0.92 गुना था और शुद्ध कर्ज/एबिटा 1.73 गुना रहा, जबकि वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही के अंत में यह 1.58 गुना था।

दिसंबर तिमाही के दौरान पूंजीगत व्यय के संबंध में जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि कंपनी का पूंजीगत व्यय 4,026 करोड़ रुपये रहा और वित्त वर्ष

वोडाफोन आइडिया का नुकसान और बढ़ा

बीएस संवाददाता
नई दिल्ली, 21 जनवरी

दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया का एकीकृत शुद्ध नुकसान दिसंबर तिमाही में बढ़कर 7,231 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 4,532 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि कंपनी का प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) 5.2 फीसदी बढ़कर 115 रुपये रहा, जो दूसरी तिमाही में 109 रुपये रहा था।

कंपनी के एमडी व सीईओ रविंद्र टक्कर ने कहा, हम यह घोषणा करते हुए खुशी महसूस कर रहे हैं कि लगातार दूसरी तिमाही में कंपनी ने राजस्व में बढ़ोतरी दर्ज की है, जिसे पिछले कुछ महीनों में हुई टैरिफ में इजाफे का सहारा मिला है। ग्राहक आधार हालांकि घटा है, लेकिन टैरिफ पर कदम के चलते 4जी ग्राहक आधार सुदृढ़ रहा है। हम प्रतिस्पर्धी स्थिति में सुधार लाने में लगे हैं और बाजार हिस्सेदारी में इजाफे की कोशिश कर रहे हैं।

दिसंबर के आखिर में कंपनी का सकल कर्ज 1.97 लाख करोड़ रुपये रहा। शुक्रवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.2 फीसदी की गिरावट के साथ 11.90 रुपये पर बंद हुआ।

एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स का मुनाफा बढ़ा

एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स लिमिटेड का शुद्ध लाभ दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही में 12 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 326 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शुद्ध ब्याज मार्जिन व शुल्क में सुधार के कारण कंपनी का मुनाफा बढ़ा। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 291 करोड़ रुपये रहा था। क्रमिक आधार पर लाभ 46 फीसदी बढ़ा, जो दूसरी तिमाही में 224 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का शेयर बीएसई पर 3.3 फीसदी की गिरावट के साथ 75.55 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का शुद्ध ब्याज मार्जिन व शुल्क तीसरी तिमाही में 71 आधार अंक बढ़कर 8.1 फीसदी पर पहुंच गया। क्रमिक आधार पर यह 52 आधार अंक बढ़ा।

सेल के पूर्व एमडी को एस्सार ने किया नियुक्त

एस्सार ग्लोबल फंड की निवेश इकाई एस्सार कैपिटल ने अनिल कुमार चौधरी को अपने धातु व खनन कारोबार का मुख्य कार्याधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की है। चौधरी सेल के पूर्व चेयरमैन व प्रबंध निदेशक हैं और इंटरनेशनल कोल वेंचर्स व एमजक्शन सर्विसेज के चेयरमैन रहे हैं। वह कार्यकारी समिति के सदस्य होंगे और धातु व खनन कारोबार की निवेश रणनीति आदि में अहम भूमिका निभाएंगे। वह स्टील रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष थे।

गिफ्ट सिटी में एमएफ की पीएमएस सेवा

देसी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों निपॉन इंडिया एएमसी और आदित्य बिडुला सन लाइफ एएमसी को गिफ्टी सिटी में पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज शुरू करने के लिए इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी से मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी से इन एएमसी को वैश्विक फंडों, भारत के इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट एंड एडवाइजरी सर्विसेज में निवेश करने वाले एनआरआई व अन्य निवेशकों को पेशकश की इजाजत मिलेगी।

आईडीबीआई बैंक का शुद्ध लाभ 53 प्रतिशत बढ़ा

सुब्रत पांडा
मुंबई, 21 जनवरी

आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 22 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ में 53 प्रतिशत की उछाल दर्ज की है, जिसे शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में दमदार वृद्धि की सहायता मिली है। इस तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ 578 करोड़ रुपये रहा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 21) की इस समीक्षाधीन तिमाही के दौरान यह 378 करोड़ रुपये था।

इसका एनआईआई, जो अर्जित ब्याज से व्यय किए गए ब्याज को घटाने के बाद वाली राशि होती है, सालाना आधार पर 30 प्रतिशत से भी अधिक तक बढ़कर 2,383 करोड़ रुपये हो गई तथा क्रमिक रूप से यह 29 प्रतिशत ज्यादा रही। हालांकि गैर-ब्याज आय सालाना आधार पर 20 प्रतिशत घटकर 1,148 करोड़ रुपये रह गई, लेकिन इसने 17 प्रतिशत की क्रमिक वृद्धि दर्ज की। दिसंबर तिमाही के अंत में शुद्ध ब्याज मार्जिन, जो बैंकों की लाभप्रदता का एक पैमाना होता है, 101 आधार अंक (बीपीएस) तक बढ़कर 3.88 प्रतिशत हो गया।

ऋणदाता के प्रावधान सालाना आधार पर 7.62 प्रतिशत घटकर 801.81 करोड़ रुपये रहे,

104.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 21 की इसी अवधि के दौरान 33.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया गया था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान कंपनी का एबिटा 298.72 करोड़ रुपये रहा।

लेकिन क्रमिक आधार पर यह 40 प्रतिशत अधिक रहा। इसके अलावा बैंक के पास दिसंबर तिमाही तक 863 करोड़ रुपये का कोविड प्रावधान रहा है।

हालांकि बैंकों ने उन फंसे कर्ज की पहचान कर ली है, खर्चनें राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी (एनएआरसीएल) में स्थानांतरित किया जाना है, लेकिन इन खातों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हुई है। अलबत्ता बैंकों को उम्मीद है कि पहचान गए फंसे हुए कर्ज को एनएआरसीएल में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया मार्च 2022 तक शुरू हो जाएगी। आईडीबीआई बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी राकेश शर्मा ने कहा कि सभी बैंकों ने कुछ परिसंपत्तियों की पहचान की है। दिसंबर के आखिर तक कुछ खाते हस्तांतरित किए जाने की उम्मीद कर रहे थे लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है। हमें इस बात की पूरी उम्मीद है कि मार्च तक इन खातों को एनएआरसीएल में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। शर्मा ने कहा कि जहां तक आईडीबीआई बैंक का संबंध है, हमने 11,000 करोड़ रुपये की उस परिसंपत्ति की पहचान की है, जिसे एनएआरसीएल को हस्तांतरित किया जाना है।

बिजनेस स्टैंडर्ड के साथ बात करते हुए आरपीएल के प्रबंध निदेशक विभव अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने रेगुलेटरी एसेट की वसूली शुरू कर दी है, जो ज्यादातर कानूनी विवाद के कारण अटक की हुई थीं।

अदाणी विल्मर आईपीओ का कीमत दायरा 218-230 रु.

एजेंसियां
नई दिल्ली, 21 जनवरी

खाद्य तेल कंपनी अदाणी विल्मर लिमिटेड (एडब्ल्यूएल) ने अपने 3,600 करोड़ रुपये के आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए शुक्रवार को मूल्य दायरा 218-230 रुपये प्रति शेयर तय किया। अदाणी एंटरप्राइजेज ने शुक्रवार को बताया कि कंपनी का आईपीओ 27 जनवरी को आवेदन के लिए खुलेगा और 31 जनवरी को बंद होगा।

एक निवेशकों के लिए बोली 25 जनवरी को खुलेगी। अदाणी विल्मर दरअसल अदाणी समूह और सिंगापुर स्थित विल्मर समूह के बीच 50:50 का संयुक्त उद्यम है। फॉर्चून ब्रांड के तहत खाना पकाने के तेल और कुछ अन्य खाद्य उत्पाद बेचने वाली अदाणी विल्मर ने अपने आईपीओ का आकार घटकर 3,600 करोड़ रुपये कर दिया है, जो पहले 4,500 करोड़ रुपये का था। आईपीओ से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल पूंजीगत खर्च, कर्ज अदायगी और रणनीतिक अधिग्रहण एवं निवेश के लिए किया जाएगा क्योंकि कंपनी का इरादा देश की सबसे बड़ी फूड व एफएमसीजी कंपनी बनने का है।

इस आईपीओ के तहत कंपनी नए शेयर जारी करेगी और कोई द्वितीयक बिक्री नहीं होगी। वरचुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अदाणी विल्मर के सीईओ व प्रबंध निदेशक ए मलिक ने कहा, कंपनी खाद्य तेल के क्षेत्र में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने और खाद्य कारोबार में इजाफा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, हम

सार्वजनिक निर्गम

खुलने की तारीख
27 जनवरी

बंद होने की तारीख
31 जनवरी

आईपीओ का आकार
3,600 करोड़ रुपये

एंकर निवेशकों की बोली
25 जनवरी को खुलेगी

तेजी से आगे बढ़ने वाली फूड व एफएमसीजी कंपनियों में से एक हैं और हमें आगामी वर्षों में इस क्षेत्र में सबसे बड़ी कंपनी बनने का भरोसा है। मलिक ने कहा, खाद्य केल उसके कुल कारोबारी वॉल्यूम में 65 फीसदी का योगदान करता है और बाकी खाद्य व औद्योगिक इंसेंसियल क्षेत्र से आता है। कंपनी का खाद्य कारोबार सालाना करीब 25 फीसदी की रफ्तार से बढ़ रहा है।

अदाणी विल्मर के मुख्य वित्त अधिकारी श्रीकांत कनहरे ने कहा, इस आईपीओ का कीमत दायरा 218 रुपये से 230 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। निवेशक न्यूनतम 65 शेयर या इसके गुणक में बोली लगा सकते हैं। इस इश्यू का आधा हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए आरक्षित होगा, 35 फीसदी खुदरा निवेशकों और बाकी 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए होगा।

आईपीओ के बाद सार्वजनिक शेयरधारिता 12 फीसदी होगी जबकि बाकी 88 फीसदी दोनों प्रवर्तकों के पास बराबर-बराबर रहेगी।

यह पूछे जाने पर कि आईपीओ का आकार क्यों घटा दिया गया, कनहरे ने कहा कि इस इश्यू को पूंजी ढांचे के लिहाज से ज्यादा आशावादी बनाने के लिए ऐसा किया गया है। कंपनी के विवरणिका (आरएचपी) के मुताबिक, कंपनी 1,900 करोड़ रुपये का इस्तेमाल पूंजीगत खर्च, 1,058.9 करोड़ रुपये उधारी चुकाने और 450 करोड़ रुपये रणनीतिक अधिग्रहण व निवेश में करेगी।

APPOINTMENTS

विज्ञापन संख्या: 7/2022

भारत सरकार
लोक उद्यम चयन बोर्ड
मेकॉन लिमिटेड
में
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
लोक उद्यम चयन बोर्ड में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **11 मार्च, 2022 (15.00 बजे तक)** है।
जानकारी के लिए वेबसाइट **http://www.pesb.gov.in** में लॉग इन करें।

NUCLEUS SOFTWARE EXPORTS LIMITED
CIN : L74899DL1989PLC034594
Registered Office: 33-35, Thyagraj Nagar Market, New Delhi-110003, India
Phone: 120-4031400, Fax: 120-4031672
Website: www.nucleussoftware.com; E-mail: investorrelations@nucleussoftware.com
Company Secretary & Compliance Officer: Ms. Poonam Bhasin

POST BUYBACK PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF EQUITY SHAREHOLDERS/BENEFICIAL OWNERS OF EQUITY SHARES OF NUCLEUS SOFTWARE EXPORTS LIMITED.

This Post-Buyback Public Announcement ("Post-Buyback Public Announcement") is being made in accordance with Regulation 24(vi) and other applicable provisions of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018, for the time being in force including any statutory modifications and amendments from time to time ("SEBI Buyback Regulations") regarding completion of the Buyback.

This Post-Buyback Public Announcement should be read in conjunction with the public announcement dated November 17, 2021 ("Public Announcement") and the letter of offer dated December 24, 2021 ("Letter of Offer") issued in connection with the Buyback. Unless specifically defined herein, capitalised terms and abbreviations used herein shall have the same meaning as ascribed to them in the Public Announcement and the Letter of Offer.

- THE BUYBACK**
 - The Board of Directors of Nucleus Software Exports Limited (the "Company"), at their meeting held on September 24, 2021 (the "Board Meeting") had announced the Buyback of up to 22,67,400 (Twenty Two Lakh Sixty Seven Thousand and Four Hundred Only) fully paid-up Equity Shares of the Company having the face value of Rs. 10/- each (Rupees Ten Only) representing up to 7.81% of the total paid-up Equity Share capital of the Company at a price of Rs. 700/- (Rupees Seven Hundred Only) per Equity Share (the "Buyback Price") payable in cash for an aggregate consideration of up to Rs. 1,58,71,80,000 (Rupees One Hundred Fifty Eight Crore Seventy One Lakh Eighty Thousand Only) ("Buyback Size") excluding any expenses incurred or to be incurred for the Buyback viz. brokerage, costs, fees, turnover charges, taxes such as buyback tax, securities transaction tax and goods and services tax (if any), stamp duty, advisors fees, filing fees, printing and dispatch expenses and other incidental and related expenses and charges ("Transaction Costs") and such maximum amount.
 - The Buyback Offer Size represented 24.90% and 24.01% of the aggregate of the fully paid-up Equity Share capital and free reserves of the Company as per the latest audited standalone as well as consolidated balance sheet respectively, as at March 31, 2021, on a proportionate basis through the "tender offer" route as prescribed under the Buyback Regulations, from all of the shareholders of the Company who hold Equity Shares as of the Record Date i.e. Saturday, November 27, 2021 ("Buyback").
 - The Company had adopted the Tender Offer route for the purpose of Buyback. The Buyback was implemented through the "Mechanism for acquisition of shares through Stock Exchange", as provided under the SEBI Buyback Regulations and circular no. CIR/CFD/POLICYCELL/1/2015 dated April 13, 2015 as amended via circular no. CFD/DCR/2/CIR/P/2016/131 dated December 9, 2016, and SEBI circular CFD/DCR-III/CIR/P/2021/615 dated August 13, 2021, issued by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"). For the purposes of the Buyback, National Stock Exchange of India Limited ("NSE") was the designated stock exchange.
 - The Buyback Opening Date was Monday, January 03, 2022 and the Buyback Closing Date was Friday, January 14, 2022.
- DETAILS OF THE BUYBACK**
 - 22,67,400 (Twenty Two Lakh Sixty Seven Thousand and Four Hundred Only) Equity Shares were bought back pursuant to the Buyback, at a price of Rs. 700/- (Rupees Seven Hundred Only) per Equity Share.
 - The total amount utilized in the Buyback was Rs. 1,58,71,80,000 (Rupees One Hundred Fifty Eight Crore Seventy One Lakh and Eighty Thousand Only) excluding the transaction costs.
 - The Registrar to the Buyback i.e., Kfin Technologies Private Limited ("Registrar"), considered a total of 12,869 valid bids for 30,40,726 (Thirty Lakhs Forty Thousand Seven Hundred and Twenty Six Only) Equity Shares in response to the Buyback. The details of the valid bids considered by the Registrar are as follows:

Category	Number of Equity Shares available for the Buyback	Number of valid bids	Total Equity Shares validly Tendered	Total Equity Shares accepted	Response (%)
Reserved Category for Small Shareholders	3,40,110	11,579	6,75,081	3,40,110	198.49
General Category for all other Eligible Shareholders	19,27,290	1,290	23,65,645	19,27,290	122.74
TOTAL	22,67,400	12,869	30,40,726	22,67,400	134.11

- All valid bids were considered for the purpose of Acceptance in accordance with the SEBI Buyback Regulations and the Letter of Offer. The communication of acceptance / rejection will be dispatched by the Registrar on January 22, 2022 (by email), where email IDs are registered with the Company or the depositories and through Ordinary Post / Speed Post to Non email cases.
- The settlement of all valid bids was completed by NSE Clearing Limited ("Clearing Corporation") on Friday, January 21, 2022. Clearing Corporation has made direct funds pay-out to Eligible Shareholders whose Equity Shares have been accepted under the Buyback. If bank account details of any Eligible Shareholders were not available or if the funds transfer instruction was rejected by the Reserve Bank of India/ relevant bank(s), due to any reasons, then the amount payable to the concerned shareholder was transferred to the Shareholder Broker for onward transfer to their respective shareholders.
- Equity Shares accepted under the Buyback have been transferred to the Company's demat escrow account on Friday, January 21, 2022 and valid physical shares tendered in the Buyback were accepted. The unaccepted Equity Shares have been unblocked in the account of respective Eligible Shareholders / custodians by the Clearing Corporation / National Stock Exchange of India Limited on Friday, January 21, 2022. The unaccepted physical share certificates are being dispatched to the registered address of eligible shareholders.
- The extinguishment of 22,67,400 (Twenty Two Lakh Sixty Seven Thousand and Four Hundred Only) Equity Shares accepted under the Buyback, comprising of 22,67,384 Demat Shares and 16 Physical Shares is currently under process and shall be completed in accordance with the SEBI Buyback Regulations by Thursday, January 27, 2022.

CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN

- The capital structure of the Company before and after the completion of the Buyback is set forth below:

Particulars	Pre-Buyback	Post completion of the Buyback
Authorised share capital	Rs. 45,10,00,000/- (4,11,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each and 40,00,000 Preference Shares of Rs. 10 each)	Rs. 45,10,00,000/- (4,11,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each and 40,00,000 Preference Shares of Rs. 10 each)
Issued, subscribed and paid-up share capital	Rs. 29,04,07,240/- (2,90,40,724 Equity Shares of Rs.10/- each, fully paid)	Rs. 26,77,33,240 (2,67,73,324 Equity Shares of Rs.10/- each, fully paid)

- Details of Eligible Shareholders from whom Equity Shares exceeding 1% of the total Equity Shares bought back under the Buyback are as under:

S. No.	Name of Shareholder	Number of Equity Shares accepted under the Buyback	Equity Shares accepted as a % of total Equity Shares bought back	Equity Shares accepted as a % of total post Buyback equity capital of the Company
1	LSV Emerging Markets Small Cap Equity Fund LLP	1,72,483	7.61	0.64
2	Arun Jain	70,727	3.12	0.26
3	Trustline Holdings Pvt Ltd	59,432	2.62	0.22
4	B N Nagamani	49,217	2.17	0.18
5	Public Employees Retirement System of Ohio	48,079	2.12	0.18
6	Rajasthan Global Securities Private Limited	42,072	1.86	0.16
7	Sanjay Ranchhodlal Shah	40,747	1.80	0.15
8	Ashika Global Finance Private Limited	38,356	1.69	0.14
9	1729 Capital	37,102	1.64	0.14
10	Rahat Hassan Tharani	27,377	1.21	0.10
11	Aamara Capital Private Limited	24,225	1.07	0.09
12	Imran S Contractor	23,393	1.03	0.09

- The Shareholding pattern of the Company before and after completion of the Buyback is set out below:

Category of shareholder	Pre-Buyback		Post-Buyback	
	Number of Equity Shares	% to the existing Equity Share capital	Number of Equity Shares	% to the existing Equity Share capital
Promoters and members of the promoter group, and persons acting in concert (collectively "the Promoter")	1,96,27,866	67.59	1,96,18,176	73.28
Foreign Investors (including Non-Resident Indians / FIs / Foreign Mutual Funds)	15,12,176	5.21		
Financial Institutions / Banks / Banks & Mutual Funds promoted by Banks / Institutions	525	0.00	71,55,148	26.72
Others (Public, Public Bodies Corporate, etc.)	79,00,157	27.20		
TOTAL	2,90,40,724	100.00	2,67,73,324	100.00

MANAGER TO THE BUYBACK

Corporate Professionals

Corporate Professionals Capital Private Limited
D-28, South Extension Part-1, New Delhi-110049, India
Tel: 011-40622230/ 40622200;
Email: mb@indiapcp.com
Website: www.corporateprofessionals.com
Investor grievance e-mail: mb@indiapcp.com
Contact person: Ms Anjali Aggarwal,
SEBI Registration No.: INM000011435
CIN: U74899DL2000PTC104508

DIRECTOR'S RESPONSIBILITY

As per Regulation 24(i)(a) of the Buyback Regulations, the Board accepts responsibility for the information contained in this Post-Buyback Public Announcement and confirms that such document contains true, factual and material information and does not contain any misleading information. This Post-Buyback Public Announcement is issued under the authority of the Board and in terms of the resolution passed by circulation by the Buyback Committee on January 21, 2022.

For and on behalf of the Board of Nucleus Software Exports Limited

Sd/- Vishnu R Dusat Managing Director (DIN: 00008412)	Sd/- Parag Bhise CEO & Executive Director (DIN: 08719754)	Sd/- Anurag Mantri Chief Financial Officer & Executive Director (DIN: 09002894)	Sd/- Poonam Bhasin Company Secretary & Compliance Officer (Membership No. A10865)
---	---	---	---

Date: January 21, 2022
Place: Noida